भिलाई की दो दिव्यांग बेटियों ने 12 सीबीएसई में मारी बाजी, हौसलों से कामयाबी का गढ़ दिया कीर्तिमान

दो बेटियों ने देखकर और इशारों में समझकर की पढ़ाई और हासिल किए 88 फीसद तक अंक

भिलाई। नईदुनिया प्रतिनिधि

शिक्षा के क्षेत्र में भिलाई नया आयाम रचता जा रहा है। गुरुवार को सीबीएसई ने बारहवीं क्लास का रिजल्ट जारी किया। भिलाई ने टॉपर दिया साथ ही दो दिव्यांग बेटियों ने भी अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से कड़ी चुनौतियों को दरकिनार कर बाजी मारी। दोनों ही बेटियां जुनवानी के माइल स्टोन स्कूल की छात्रहैं।

इन दोनों बेटियों ने बेटियां किसी से कम नहीं वाक्य को बेहतर तरीके से चरितार्थ भी किया है। इनमें एक अर्पिता शाह है। वहीं दूसरी दिव्यांग मेधा है।

बारहवीं में कॉमर्स सब्जेक्टस से 88 परसेंटाइल के साथ पास करने वाली दिव्यांग बेटी मेधा की मम्मी तेजस्वनी कहतीं है कि अगर वह माइल स्टोन स्कूल में नहीं होती तो इतने अच्छे नंबर तो दूर पास भी नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि बिजनेस में कमजोर होने की बात जानकर इंचार्ज टीचर व स्कूल प्रबंधन बेटी को रोजाना एक्स्ट्रा क्लासेस लगाता था। वहीं दूसरी बेटी अर्पिता शाह की मम्मी शुभ्रता शाह कहतीं है कि बेटी को हमेशा माइल स्टोल स्कूल प्रबंधन आत्मविश्वास बढ़ाता रहा। इतना ही नहीं प्रबंधक हमेशा हमसे और अर्पिता से यहीं कहते थे कि चिंता मत करो। बेहतर अंग मिलेंगे।

यू-ट्यूब के जरिए मां से पढ़ती अर्पिता।

हिम्मत नहीं हारी और चित्रों के माध्यम से मेधा को मां पढ़ाती रही।

बच्चों की कमियों को देख स्कूल प्रबंधन भी बढ़ाता रहा आत्मविश्वास

अर्पिता कॉमर्स सब्जेक्ट से बारहवीं की परीक्षा पास की। अर्पिता की मां शुभ्रता शाह ने बताया कि भारी संघर्ष से इसने बारहवीं की परीक्षा पास की। दरअसल अर्पिता दिव्यांग(सुनने में अक्षम) है। अर्पिता को उसकी मम्मी शुभ्रता स्वयं ही रोज होम वर्क कराती थी। रोजाना सारे सब्जेक्ट्स को लिख-लिखकर पढ़ाती और चित्रों के माध्यम से विषयों को समझाती थी। इसके अलावा पढ़ाने के लिए यूट्यूब का भी सहारा लेती। अर्पिता की मां ने नईदुनिया को बताया कि मेरा सपना है मै भारतीय रेलवे में अफसर बनू, और अपनी मातृभूमि छत्तीसगढ़ और लौहनगरी भिलाई का कर्ज अदा कर सकूं। अर्पिता की मां ने बताया कि सभी कक्षों के बीच शिक्षकों ने विशेषतौर पर ध्यान दिया और अपनेपन का एहसास कराकर हौसला बढ़ाते रहे।

मेधा सुनने में अक्षम है लेकिन भावनाओं को पेंटिंग के जरिए उकेरने में माहिर

माइल स्टोन स्कूल की ही मेधा जोगलेकर ने कॉमर्स से 12 एग्जॉम में 87.6 परसेंट लाया। मां तेजश्वनी जोगलेकर ने बताया कि मेधा सुनने में अक्षम है। उसके ऑपरेशन के बाद कुछ हद तक सुन पाती है, किन्तु सामान्य लोगों की तरह सुनने में कतई सक्षम नहीं है। मेधा शानदार पेंटिंग है। वहीं पश्चिम बंगाल की विश्वविद्यालय से वह पेंटिंग में पांच वर्षीय पढ़ाई भी कर रही है। मेधा ने नईदुनिया से कहा मै आज बहुत खुश हूं। वह बीए (ग्रेजुएशन) करेगी। साथ ही आइएएस बनने के लिए भिलाई के कोचिंग इस्टीट्यूट में एडमिशन भी ले चुकी है। मेधा की मम्मी तेजश्वनी कहतीं है कि वह बिजनेस(सब्जेक्टस) के पार्ट-टू में काफी कमजोर थी। उसने उसमें जी-जान लगाकर मेहनत किया और अब बिजनेस में उसने 95 नंबर पाया है।

सीबीएसई में शहर

भिलाई 03 मई (असं)।

माइल स्टोन अकादमी में कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। वाणिज्य समूह में मेघना बतरा का परीक्षा परिणाम 95.2% रहा। विज्ञना समूह में जसराज सिंग छाबड़ा का परीक्षा परिणाम 93% रहा। मेघना बतरा 95.2% जसराज सिंग 93%, 23 विद्यार्थीयों ने ए1 ग्रेड प्राप्त किए। जिसमें 11 विद्यार्थी बिजनिस स्टेडीज् 4 विद्यार्थी पी ई, 2 विद्यार्थी अर्थशास्त्र एवं 1 विद्यार्थी गणित में। विषयानुसार वाणिज्य समूह में 90% के ऊपर छात्र-छात्रों ने बाजी मारी जिसमें बिजनेस स्टेडी में मेघना बतरा 99% , अकांक्षा साहु 97%, मरियम 95% , देवप्रिया 95%, मेधा एस जोगलेकर 95% , भव्या 95: , नंदनी 95% , खुशी 94% , जतिन्दर 94% , गुरूप्रित 92%, ऋषिका 92%, वैभव 91%, अर्थशास्त्र में मेघना 99%, गुरूप्रित 95%, खुशी कौरा 91%, मरियम 90%, एकाउंटेंसी में मेघना 95%, एवं आई पी में 95%, इसी तरह विज्ञान समूह में गणित में जसराज सिंग 95%, सुप्रिया मन्सी 92%, फिजिक्स में जसराज 91% , कमेस्ट्री में जसराज 92%, बायोलोजी में कायनात 95% , पी ई में जसराज 99%, अनन्या 97%, एवं हर्षवर्धन 92% अंक प्राप्त करके विद्यालय और अपने पालकों का नाम गौरवांवित किया। शाला की डायरेक्टर डा. ममता शुक्ला ,